भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त परिषद)

# वानिकी समाचार

अगस्त 2025 वर्ष 17 सं. 08

## 79वां स्वतंत्रता दिवस 2025

- भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय), तथा इसके संस्थानों और केंद्रों में दिनांक 15 अगस्त 2025 को 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

भा.वा.अ.शि.प.(मु.)

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं.

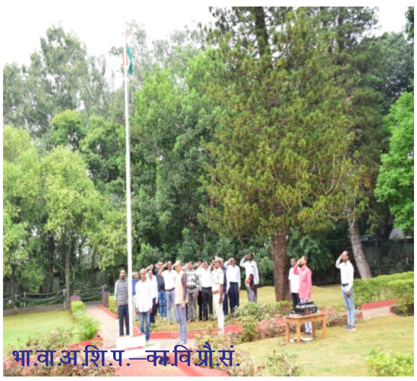
भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं.

अनुक्रमणिका


| अनुक्रमणिका | पृष्ठ सं. |
|---|---|
| 79वां स्वतंत्रता दिवस 2025 | 01 |
| महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण | 02 |
| परामर्शी | 02 |
| कार्यशालाएं/सेमीनार/बैठकें | 02 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रमे | 06 |
| कृषि विज्ञान केंद्र के तहत गतिविधियां | 07 |
| प्रदर्शन एवं जागरुकता कार्यक्रम | 08 |
| तकनीकी विकास | 09 |
| प्रदर्शनी में भागीदारी | 09 |
| मिशन लाईफ | 09 |
| प्रकृति कार्यक्रम | 10 |
| समझौता ज्ञापन | 11 |
| संस्थान में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा | 12 |
| राजभाषा गतिविधि | 12 |
| रेडियो/दूरदर्शन वार्ता | 13 |
| विविध | 13 |
| मानव संसाधन समाचार | 14 |
| प्रकाशन | 14 |

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं.

# महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण

## भा.वा.अ.शि.प.- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

छह अलग–अलग स्थानों–चांसल (हिमाचल प्रदेश), छाजपुर (हिमाचल प्रदेश), हर की दून, तुंगनाथ, खलिया (मुनस्यारी), और दारमा घाटी से प्राप्त ट्रिलियम गोवनिएनम के प्रकंदों का आकार, निशानों की संख्या, अंतरग्रंथियों के बीच की दूरी, बनावट और कली प्रणाली को मापकर रूपात्मक रूप से जाँच की गई ताकि रूपात्मक भिन्नता का आकलन किया जा सके। परिपक्व प्रकंद की लंबाई 2.5 सेमी से 5.0 सेमी तक थी, जिसकी औसत परिधि 0.7 सेमी और 3.2 सेमी के बीच थी। छाजपुर (2,086 मीटर) से प्राप्त प्रकंद के नमूने सबसे बड़े (लंबाई 4.5–5.0 सेमी, परिधि 2.5–3.2 सेमी) थे, जिनमें 18–21 निशान, मोटे पतले सिरे, लगभग 0.5 सेमी के अंतरग्रंथियाँ, दो से अधिक अपस्थानिक कलियाँ और मोटी शल्कदार पत्तियाँ थीं। दारमा घाटी (3,470 मीटर) से प्राप्त नमूनों में सबसे छोटे प्रकंद (2.5–3.0 सेमी लंबाई, 0.7–1.0 सेमी परिधि) पाए गए, जिनकी सतहें अत्यधिक झुर्रीदार, 0.1 सेमी से कम इंटरनोड्स और अधिकतर शीर्षस्थ कलियाँ थीं। सभी छह स्थानों से एकत्रित प्रकंदों से प्राप्त फाइटोकेमिकल्स की उपज 15% से 20% (w/w) तक के बीच है।

- *स्किमिया लहरियोला* पत्ती के सगंध तेल की सूजन–रोधी क्षमता का मूल्यांकन अंडे की सफेदी विकृतीकरण परख का उपयोग करके किया गया। परिणामों से पता चला कि संदर्भ मानक, डाइक्लोफेनाक सोडियम, की तुलना में सगंध तेल ने मध्यम सूजन–रोधी गतिविधि प्रदर्शित की। सगंध तेल का $IC_{50}$ मान 6770 ± 8.16 µg/mL दर्ज किया गया, जबकि डाइक्लोफेनाक सोडियम का मान $IC_{50}$ 340 ± 4.08 µg/mL था।

सोक्सलेट निष्कर्षण विधि का उपयोग करके, चलोली, चंबा और कालागोरचा, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश से एकत्रित कोरिलस जैक्वेमोंटी डेक्ने (हेज़लनट) के बीजों से वसायुक्त तेल निकाला और पृथक किया गया। तेल की उपज चलोली नमूने के लिए 64.33 ± 0.47 % (w/w) और कालागोर्चा नमूने के लिए 80.66 ± 0.47% (w/w) थी। इसके बाद, फैटी एसिड मिथाइल एस्टर (एफएएमई) तैयार किए गए और GC-MS का उपयोग करके उनका विश्लेषण किया गया, जिसमें चार यौगिकों की पहचान की गई: चलाली और कालागोर्चा से प्राप्त आबादी से पामिटिक एसिड मिथाइल एस्टर (7.66% और 8.31%), स्टीयरिक एसिड मिथाइल एस्टर (3.53% और 2.92%), ओलिक एसिड मिथाइल एस्टर (71.70% और 66.21%), तथा लिनोलिक एसिड मिथाइल एस्टर (17.12% और 22.56%) था।

# परामर्शी

## भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू

- गुजरात प्लाईवुड और विनियर्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा प्रायोजित क्यूसीओ कार्यान्वयन और मानक संशोधन पर धरातल स्तर पर मूल्यांकन।
- मेसर्स सी. पी. विनियर, अगरतला, त्रिपुरा में रेजिन तैयारी और प्री–प्रेस बॉन्डिंग का प्रदर्शन किया।

# कार्यशालाएं/सेमीनार/बैठकें

| भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | "राष्ट्रीय कर्मयोगी" पर कार्यशाला | 25 से 29 अगस्त 2025 | वैज्ञानिक, शोधार्थी तथा भा.वा.अ.शि.प. (मु.) के अधिकारियों सहित 105 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) में 'राष्ट्रीय कर्मयोगी' पर कार्यशाला

## भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

| | | | |
|---|---|---|---|
| 02 | "ए.आई.सी.आर.पी. और एफ.जी.आर." पर कार्यशाला | 5 से 6 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी, राज्य वन विभागों और विभिन्न संगठनों के हितधारकों सहित 115 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में "ए.आई.सी.आर.पी. और एफ.जी.आर" पर कार्यशाला

## भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 03 | संवेदनशील मरूस्थलीय पारितंत्र के सतत विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण | 06 से 08 अगस्त 2025 | विभिन्न राज्य वन विभागों से 25 भा.व.सें. अधिकारी |
| 04 | एकीकृत अनुसंधान का प्रसार परिणाम | 22 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प.– शु.व.अ.सं., जोधपुर के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और अधिकारियों सहित 55 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर में "संवेदनशिल मरूस्थलीय पारितंत्र के सतत विकास हेतु एकीकृत दृष्टिकोण" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर में "एकीकृत शोध परिणामों के प्रसार" पर कार्यशाला

## भा.वा.अ.शि.प.- वन उत्पादकता संस्थान, रांची

| | | | |
|---|---|---|---|
| 05 | विभिन्न कृषि–जलवायु क्षेत्रों के अंतर्गत अवकृमित कोयला खदानों का पारिस्थितिक पुनर्स्थापना | 05 अगस्त 2025 | कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों, जिनमें सी.सी.एल., ई.स.एल. और एम.सी.एल, के 20 अधिकारी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 06 | कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों, जिनमें सी.सी.एल., ई.स.एल. और एम.सी.एल, के 20 अधिकारी | 29 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची और भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और अधिकारियों सहित 90 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.सं., रांची में "विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों के अंतर्गत अवक्रमित कोयला खदानों के पर्यावरणीय-पुनर्स्थापना" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.सं., रांची में "समावेशी और सतत आर्थिक विकास के लिए वानिकी अंत:क्षेप" पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

| | | | |
|---|---|---|---|
| **भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु** | | | |
| 07 | नवाचार, हितधारक जुड़ाव और ए.आई.सी.आर.पी. 5, 6 और 28 के तहत परिणामों का प्रसार' पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 08 अगस्त 2025 | हितधारकों, काष्ठ उद्योग और शोधार्थियों सहित 63 प्रतिभागी |
| **भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट** | | | |
| 08 | बांस पर ए.आई.सी.आर.पी. के एकीकृत अनुसंधान परिणाम का प्रसार | 25 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के वैज्ञानिकों, पूर्वोत्तर भारत के राज्य वन विभागों के वरिष्ठ वन अधिकारियों, किसानों, निजी उद्यमों, गैर सरकारी संगठनों और उद्यमियों सहित 100 प्रतिभागी |
| 09 | राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम–चरण 2 | 27 से 30 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के 140 अधिकारी कर्मचारी |

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट में "बांस पर भा.वा.अ.शि.प. के एकीकृत अनुसंधान परिणामों का प्रसार" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट में "राष्ट्रीय कर्मयोगी बडे पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम-चरण २" विषय पर कार्यशाला

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10 | सिक्किम के वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर परामर्श बैठक | 28 अगस्त 2025 | सिक्किम वन विभाग के 30 प्रतिभागी |
| **भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** | | | |
| 11 | राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम | 21, 22 और 26 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला और भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सोलन के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और अधिकारियों सहित 72 प्रतिभागियों ने भाग लिया |
| **भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर** | | | |
| 12 | क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन "वृक्ष सुधारः 2025 में उन्नत पोषण को साकार करना" | 22 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और वन विभाग के अधिकारियों सहित 30 प्रतिभागी |
| **भा.वा.अ.शि.प.-जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद** | | | |
| 13 | ए.आई.सी.आर.पी.–8 के अंतर्गत टेरोकार्पस सैंटालिनस का संरक्षण तथा उत्पादकता सुधार | 11 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और अधिकारियों सहित 25 प्रतिभागी |
| 14 | राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम | 25 से 26 अगस्त 2025 | वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद के अधिकारियों सहित 60 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.वि.सं., हैदराबाद में "एआईसीआरपी-8 के अंतर्गत टेरोकार्पस सैंटालिनस के संरक्षण और उत्पादकता सुधार" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.वि.सं., हैदराबाद में "राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम" विषय पर कार्यशाला

| | | | |
|---|---|---|---|
| **भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधिय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर** | | | |
| 15 | छह ए.आई.आर.सी.पी. की महत्वपूर्ण उपलब्धियों, निष्कर्षों तथा परिणामों को हितधारकों के साथ साझा करने के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला | 31 जुलाई से 01 अगस्त 2025 | किसानों, शोधार्थियों, वैज्ञानिकों, महिला स्वयं सहायता समूहों, लघु उद्यमियों और अन्य हितधारकों सहित 80 प्रतिभागी |
| 16 | "सतत वानिकी मानकों, स्रोतों और प्रथाओं के लिए गुणवक रोपण सामग्री सुनिश्चित करना" विषय पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन | 20 अगस्त 2025 | शोधार्थियों, वैज्ञानिकों, हितधारकों और किसानों सहित 30 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं., जबलपुर में "छह ए.आई.आर.सी.पी. की महत्वपूर्ण उपलब्धियों, निष्कर्षों और प्रदानों को हितधारकों के साथ साझा करने के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला"

भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं., जबलपुर में "सतत वानिकी के लिए गुणवत्त रोपण सामग्री सुनिश्चित करना मानक, स्रोत और पद्धतियाँ" विषय पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 17 | मिशन कर्मयोगी के तहत राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम' | 25 से 29 अगस्त 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और अधिकारियों सहित 141 प्रतिभागी |

# प्रशिक्षण कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | काष्ठ परतन (कोटिंग्स) | 25 से 29 अगस्त 2025 | विविध शैक्षणिक तथा काष्ठ उद्योग क्षेत्र से 19 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून द्वारा "काष्ठ कार्य और परिष्करण शास्त्र" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 02 | *मोमोर्डिका डायोका* का मूल्य संवर्धन | 3 से 7 अगस्त 2025 | राजीविका, पिंडवाड़ा, राजस्थान से 50 आदिवासी |

## भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

| | | | |
|---|---|---|---|
| 03 | औषधीय पौधों का पौधशाला तकनीक, खेती एवं संरक्षण | 29 अगस्त 2025 | डोडरा, रोहड़ू (हि.प्र.) से 50 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "औषधीय पौधों की पौधशाला तकनीक, खेती और संरक्षण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| **भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू** | | | |
| 04 | 1.ए.आई.सी.आर.पी. के अंतर्गत बांस और एन.टी.एफ.पी. का मूल्य संवर्धन | 13 अगस्त 2025 | शेट्टीहल्ली और हेब्बल, हुंसूर तालुका के 80 आदिवासी |
| 05 | फॉर्मेल्डिहाइड की मात्रा और उत्सर्जन का निर्धारण | 20 से 22 अगस्त 2025 | काष्ठ आधारित उद्योग बेंगलुरु से 04 प्रतिभागी |
| **भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट** | | | |
| 06 | वन बीज तकनीक और पौधशाला प्रबंधन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम | 7 अगस्त 2025 | मोकोकचुंग वन प्रभाग, नागालैंड के 16 अग्रिम पंक्ति के वन कर्मचारी |

# कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधियां

## भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- भा.वा.अ.शि.प.– शु.व.अ.सं., जोधपुर ने दिनांक 28 से 30 अगस्त 2025 तक कृषि विज्ञान केंद्र, जैसलमेर, राजस्थान में "पश्चिमी राजस्थान के इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में आजीविका सहायता हेतु उपयुक्त कृषि वानिकी मॉडल" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में राजस्थान वन विभाग के अधिकारियों और जैसलमेर के कृषकों सहित लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-ष्शु.व.अ.सं., जोधपुर में "पश्चिमी राजस्थान के इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में आजीविका सहायता के लिए उपयुक्त कृषि वानिकी मॉडल" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर और आई.सी.ए.आर.–के.वी.के., तेनकासी, कोयंबटूर ने संयुक्त रूप से दिनांक 29 अगस्त 2025 को के.वी.के., तेनकासी, कोयंबटूर में 'वृक्ष संवर्धन तकनीक' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। तेनकासी, कोयंबटूर के 104 किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें 'वृक्ष संवर्धन में कीट एवं रोग प्रबंधन और विंडब्रेक कैसुरीना की खेती' के बारे में जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर और आई.सी.ए.आर.-के.वी.के., तेनकासी ने संयुक्त रूप से के.वी.के., तेनकासी, कोयंबटूर में "वृक्ष संवर्धन तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

# जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- एन.टी.ए.सी.एच. देहरादून के 16 प्रशिक्षुओं ने दिनांक 25 अगस्त 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून की फोटो गैलरी, टीडीसी और संग्रहालयों का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान के इतिहास और वानिकी में योगदान के बारे में जानकारी दी गई।

## भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- दिनांक 24 अगस्त 2025 को गजनोई, चंबा (हि.प्र.) में चंबा के 30 प्रतिभागियों के लिए "कृमी खाद विधि" पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा गजनोई, चंबा (हिमाचल प्रदेश) में "कृमी खाद बनाने की विधि" पर जागरूकता कार्यक्रम

- दिनांक 28 अगस्त 2025 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रोहड़ू, शिमला में 'पौध विविधता एवं जैव–उर्वरक' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 80 छात्रों ने प्रतिभाग किया।

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रोहड़ू, शिमला में "पादप विविधता एवं जैव-उर्वरक" पर जागरूकता कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.-जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 07 अगस्त 2025 को हिदायत डिग्री कॉलेज, हैदराबाद के 56 छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

## भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं रत्न केंद्र, आइजॉल ने दिनांक 29 अगस्त 2025 को वन प्रशिक्षण स्कूल, राजकीय मिजोरम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में "वन के महत्वपूर्ण कीट, कीट संग्रहण, पिनिंग और संरक्षण के तरीके" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 15 वनपाल प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-बांस एवं रत्न केंद्र, आइजॉल द्वारा "वन के महत्वपूर्ण कीट, कीटों के संग्रहण, पिनिंग और संरक्षण के तरीके" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- मेप्को श्लेंक इंजीनियरिंग कॉलेज, शिवकाशी, आरवीएस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, कोयंबटूर और हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, कोयंबटूर के 130 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 19, 20 और 25 अगस्त 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर के वनस्पति गुणन उद्यान और प्रयोगशालाओं का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

मेप्को श्लेंक इंजीनियरिंग कॉलेज, शिवकाशी के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु और कर्नाटक राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, बेंगलुरु ने संयुक्त रूप से दिनांक 20 से 22 अगस्त 2025 तक 'बांस हस्तशिल्प और निवारक तकनीक' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कर्नाटक के कोडागु जिले के आदिवासी समुदायों के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

# तकनीकी विकास

## भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

- 60 मिनट के लिए सिरेमिक फाइबर–प्रबलित अग्निरोधी द्वार (एफआरडी) शटर विकसित किया गया।

- मिश्रित लिगोसेल्यूलोसिक फाइबर कम्पोजिट विकसित किया गया। भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

# प्रदर्शनी में प्रतिभागिता

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने दिनांक 21 से 24 अगस्त 2025 तक यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित "मैटेरिया टेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव" प्रदर्शनी में भाग लिया और काष्ठ, सम्मिश्र, बांस और बांस–आधारित आवास पर अपनी तकनीकियों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित "मैटेरिया टेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव" में भाग लिया

# मिशन लाईफ

## भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- दिनांक 06 अगस्त 2025 को जी.एस.एस.एस., बेओलिया, शिमला में 'पौधशाला में वानिकी प्रजातियों की खेती' पर जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 40 छात्रों ने भाग लिया।

# प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "पौधशाला में वानिकी प्रजातियों की खेती" पर जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- दिनांक 18 अगस्त 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान परिसर में "जल जनित रोगों के जोखिम और निवारक उपाय, विशेष रूप से मानसून के मौसम के दौरान" पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एम.एस.सी. छात्रों और पीएचडी भोधार्थीयों सहित 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## भा.वा.अ.शि.प.-जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 06, 07 और 21 अगस्त 2025 को नॉर्थ सिटी हाई स्कूल, सुरुरम और हिदायत डिग्री कॉलेज, हैदराबाद में "स्वस्थ जीवन शैली और अपशिष्ट निवारण" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में कुल 160 छात्रों ने भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प.–सी.ई.सी., विशाखापत्तनम ने दिनांक 12 से 13 अगस्त 2025 तक चिन्ना वाल्टेयर, जीएचसीसीडी, वाईएमसीए और सिरिपुरम, विशाखापत्तनम में "ऊर्जा की बचत, अपशिष्ट में कमी, स्वस्थ जीवनशैली और जल की बचत" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

भा.वा.अ.शि.प.-सी.ई.सी.-विशाखापत्तनम द्वारा "ऊर्जा की बचत, अपव्यय में कमी, स्वस्थ जीवनशैली और जल की बचत" पर जागरूकता कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- दिनांक 19 अगस्त 2025 को "मृदा विज्ञान" पर एक प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय विद्यालय, ओ.एन.जी.सी. , देहरादून के 40 छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 'मृदा के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुण' पर व्याख्यान भी दिया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून द्वारा "मृदा विज्ञान" पर प्रदर्शन कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- दिनांक 29 अगस्त 2025 को जी.एस.एस.एस. डोडरा, शिमला के 35 छात्रों के लिए 'पादप रोगजनकों का पर्यावरण–अनुकूल प्रबंधन, पादप विविधता, स्वच्छ पर्यावरण' पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा जीएसएसएस, डोडरा, शिमला में "फाइटोपैथोजेन्स का पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन, पादप विविधता, स्वच्छ पर्यावरण" पर जागरूकता कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- दिनांक 26 और 27 अगस्त 2025 को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेसिन स्टेशन, जोधपुर और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बालिका), जालोरी गेट, जोधपुर में

'शिक्षा का मित्र' विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 970 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान "अफ्रीका के पादप संरक्षण पहल और प्रदर्शित वृक्षारोपण तकनीक" पर व्याख्यान भी दिया गया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर में भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा 'शिक्षा का मित्र' पर जागरूकता कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.-जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापत्तनम ने दिनांक 21 और 29 अगस्त 2025 को 'जैव विविधता की अवधारणा और मैंग्रोव की पारिस्थितिक भूमिका' पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय, विजयनगरम और जवाहर नवोदय विद्यालय, श्रीकाकुलम के 270 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा केन्द्रीय विद्यालय, विजयनगरम में "जैव विविधता की अवधारणाएँ और मैंग्रोव की पारिस्थितिक भूमिका" पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

## भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- दिनांक 05 अगस्त 2025 को केंद्रीय विद्यालय, ओएनजीसी, नाज़िरा, शिवसागर, असम और टेक गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, जोरहाट के 118 छात्रों ने शिक्षकों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के संस्थानों, गुस्ताव मान हर्बेरियम, बांस संग्रहालय और व्याख्या इकाई, वनस्पति उद्यान, ऑर्किडेरियम, औषधीय पौधों के बगीचे, बांस वाटिका, ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, मशरूम की खेती का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

- दिनांक 05 अगस्त 2025 को केंद्रीय विद्यालय, ओएनजीसी, नाज़िरा, शिवसागर, असम और टेक गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, जोरहाट के शिक्षकों के साथ 118 छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के संस्थानों, गुस्ताव मान हर्बेरियम, बांस संग्रहालय और व्याख्यान इकाई, वनस्पति उद्यान, ऑर्किडेरियम, औषधीय पौधों के बगीचे, बांस वाटिका, ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, मशरूम की खेती का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.-एल.ई.सी., अगरतला ने जवाहर नवोदय विद्यालय, सिपाहीजला, त्रिपुरा में 'वैज्ञानिक-छात्र कनेक्ट कार्यक्रम' का आयोजन किया

## भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- विद्या विकासिनी मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, गवर्नमेंट हाई स्कूल, कुनियामुथुर, चौतन्य टेक्नो स्कूल, कोयंबटूर और निर्मला माथा कॉन्वेंट, कुनियामुथुर के 1203 छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ दिनांक 07, 11, 25 और 28 अगस्त 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्हें 'वन का महत्व, वन और ऊतक संवर्धन का महत्व, वृक्षों के सामुदायिक लाभ और वन्यजीवों का महत्व' पर व्याख्यान भी दिया गया।

# समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद ने दिनांक 14 अगस्त 2025 को तेलंगाना के संगारेड्डी के गंगुलूर गाँव के किसानों के साथ तेलंगाना के संगारेड्डी के गंगुलूर गाँव में प्रदर्शन ग्राम की स्थापना पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर ने श्री रामकृष्ण कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयंबटूर के साथ दिनांक 01 अगस्त 2025 को वानिकी अनुसंधान और शैक्षणिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने के लिए सहयोगी पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.वि.सं., हैदराबाद और गंगुलूर गांव, संगारेड्डी, तेलंगाना के किसानों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.वि.सं., कोयंबटूर और श्री रामकृष्ण कॉलेज आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

## संस्थान में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

- सर्वश्री चिन्मयी गोपाल, आयुक्त कृषि एवं बागवानी विभाग, राजस्थान सरकार और श्री जी.आर. मटोरिया, अपर निदेशक, कृषि प्रभाग, जोधपुर ने दिनांक 27 अगस्त 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया। उन्होंने संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की भी समीक्षा की।

राजस्थान सरकार के कृषि एवं बागवानी विभाग की आयुक्त सर्वश्री चिन्मयी गोपाल और जोधपुर के कृषि प्रभाग के अपर निदेशक श्री जी. आर. मटोरिया ने भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

- असम राज्य बांस मिशन के प्रमुख श्री नरेंद्र कुमार शाह ने दिनांक 25 अगस्त 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के ऊतक संवर्धन लैब और आणविक जीव विज्ञान लैब, बांस वाटिका, बांस संग्रहालय और बांस पौधशाला का दौरा किया।

## राजभाषा गतिविधि

- भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) ने दिनांक 14 अगस्त 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून की कंप्यूटर लैब में "ई–ऑफिस में यूनिकोड हिंदी टाइपिंग" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और परियोजना कर्मचारियों सहित कुल 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) द्वारा "ई-ऑफिस में यूनिकोड हिंदी टाइपिंग" पर कार्यशाला

- भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर को दिनांक 20 अगस्त 2025 को केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक–2), जोधपुर की बारहवीं छमाही बैठक के दौरान राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर को हिंदी राजभाषा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 04 अगस्त 2025 को 'हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन किया। भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के 20 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

## रेडियो/दूरदर्शन वार्ता

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा आयोजित 'जूनियर रेंजर्सः छात्रों को प्रकृति से जोड़ना' विषय पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्‌घाटन सत्र पर एक रेडियो रिपोर्ट, दिनांक 21 अगस्त 2025 को ऑल इंडिया रेडियो, जोरहाट द्वारा प्रसारित की गई।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2025 को ऑल इंडिया रेडियो पर "कठफूला खेती एक लाभजनक जिबिका" पर रेडियो वार्ता प्रसारित किया गया।

- दिनांक 26 अगस्त 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा ऑल इंडिया रेडियो, जोरहाट में 'मेजांगकोरी गोसर खेती अरु बोइग्यानिक उत्पदोकोर जोरियोटे आर्थोनोइटिक उन्नयोनोर संभावोनियोटा' विषय पर रेडियो वार्ता प्रसारित की गई।

## विविध

- भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) ने अपने संस्थानों और केंद्रों के साथ दिनांक 14 अगस्त 2025 को हर घर तिरंगा अभियान 2025 मनाया।

# मानव संसाधन समाचार

## सेवानिवृत्ति

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्री एन.डी. खोबरागड़े, वैज्ञानिक–ई, उ.व.अ.सं., जबलपुर | 31.08.2025 |

## प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्री विनय कुमार, भा.व.से., उप महानिदेशक (प्रशासन) भा.वा.अ.शि.प. | 20.08.2025 |
| डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार) भा.वा.अ.शि.प. | 21.08.2025 |
| डॉ भाक्ति सिंह चौहान, वैज्ञानिक–जी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. बेंगलुरू | 25.08.2025 |

## प्रत्यावर्तन

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्री आर. आनंद भा.व.से., (आर.एचः 2011) कुलपति, व.अ.सं., देहरादून | 26.08.2025 |

# प्रकाशन

## शोध पत्र

- भोई, टी. के., महंत, डी. के., सेन, एम., और मिद्दे, एस. एम. (2025)। बबूल सफेद मक्खी के जीव विज्ञान पर मेज़बान पौधों का जैवरासायनिक प्रभाव एक्यूडेलीरोड्स रैचिपोरा. जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल बायोलॉजी, 47. पॉल, एस., कंवल, के.एस., कुमार, ए., सामंत, एस.एस., भट्ट, आई.डी., सुंद्रियाल, आर.सी. और लता, एस., (2025)।

- खान, ए., शर्मा, वाई., शर्मा, पी.के., रंगा, ए.डी., भाटिया, ए., डोगरा, डी. और गुप्ता.ए. (2025)। लीची–आधारित कृषि वानिकी प्रणालियों में एंड्रोग्राफिसपैनिकुलेट का बेहतर प्रदर्शन। कृषि वानिकी प्रणाली, 99:189।

- चौहान, ए. और जिष्टु, वी. (2025)। हिमाचल प्रदेश, भारत के शिमला जिले के काशा और पाट के ग्रहणग्रस्त गाँवों से नृजातीय वनस्पतियाँ। जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल एंड फोक प्रैक्टिसेस, 12(2)।

- देवी, जे., मिश्रा, जी.पी., सागर, वी., सिंह, वी., दुबे, आर.के., करकुटे, एस.जी., गुप्ता, एन., राय, एन., त्रिपाठी, के., शिवप्रसाद, के.एम. और अस्की, एम.एस., (2025)। मटर, मसूर और चने में बहु–पुष्पीय गुण को उजागर करनाः आनुवंशिक अंतर्दृष्टि और प्रजनन प्रगति। लेग्यूम साइंस, 7(3), पृष्ठ 70043।

- भोई, टी. के., महंत, डी. के., सामल, आई., दाश, एस., सिंह, एस. , और कोमल, जे. (2025)। ओडोन्टोटर्मिस ओबेसस (रामबुर 1842) के जैविक नियंत्रण में एंडोफाइटिक एंटोमोपैथोजेनिक कवक (ईईपीएफ) का प्रभाव और पादप शारीरिक प्रतिक्रियाओं पर उनका सहक्रियात्मक प्रभाव। द माइक्रोब, 100411। https://doi.org/10.1016/ j.microb.2025 .100411

- भोई, टी. के., महंत, डी. के., सामल, आई., राज, एम. एन., और कोमल, जे. (2025)। भूमिगत दीमकों के जैविक नियंत्रण के लिए डालबर्गिया सिस्सू के पौधों में मेटारिज़ियम एनीसोप्लिया और ब्यूवेरिया बेसियाना की विषाणुता और एंडोफाइटिक कॉलोनाइजेशन का मूल्यांकन। जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल बायोलॉजी, 46(4)। https://doi.org/10.22438/jeb/46/4/MRN-5516

- वर्मा पी. के., सिंह एन., नेगी आर., चंद्रा ए., किशवान एस. (2025). हरियाणा के वन वनस्पतिरू एक व्याख्यात्मक जाँच सूची. फाइटोटोक्स. ; 2(2): 345–44

- गुंसाई, एम., राठौर, एम., और नमिता एन.के. (2025)। फल परिपक्वता सूचकांक, बीज पूर्व उपचार और सब्सट्रेट अनुकूलन के माध्यम से ओसिरिस लांसोलेटा के बीज अंकुरण और पौध प्रदर्शन सुधार, वार्षिक अनुसंधान और जीव विज्ञान समीक्षा, 40(9)।

- ठाकुर, एन, त्रिपाठी वाई. सी., और वार्ष्णेय वी. के. (2025)। गैस क्रोमैटोग्राफी–ओल्फैक्टोमेट्री (जीसी–ओ) और एरोमा एक्सट्रेक्ट डाइल्यूशन एनालिसिस (एईडीए) का उपयोग करके नियोलिटसी पैलेंस पत्ती एसेंशियल ऑयल में गंधयुक्त घटकों की सुगंध प्रोफाइलिंग और विश्लेषण। जर्नल ऑफ एसेंशियल ऑयल रिसर्च, 1–11। https://doi.org/10.1080/10412905.2025.2537235

- चौहान, के., भल्ला, पी., वार्ष्णेय, वी.के. (2025). उत्तर भारत में उगाए जाने वाले प्रिंसेपिया यूटिलिस के बीज तेल संरचना में प्राकृतिक परिवर्तनशीलता। जर्नल ऑफ द अमेरिकन ऑयल केमिस्ट्स सोसाइटी, 1–8. https://doi.org/10.1002/aocs.70018.

- महंत, डी. के., कोमल, जे., भोई, टी. के., सामल, आई., दाश, एस., और जांगड़ा, एस. (2025). कीट प्रबंधन के लिए आर.एन.ए. अंतःक्षेप (आरएनएआई): तंत्र, रणनीतियों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को समझना। बायोलोजिया फ्यूचुरा, 1–13.

## पुस्तक अध्याय

- महंत, डी. के., सामल, आई., भोई, टी. के., और कोमल, जे. (2025). कीट व्यवहार, परजीवी विज्ञान और पादप–कीट अंतःक्रियाओं में मेलाटोनिन की उभरती भूमिकाः पारिस्थितिक निहितार्थ और अनुप्रयोग। मेलाटोनिनः पौधों में संकेत पारगमन तंत्र और रक्षा तंत्र 271.

## पुस्तिका

- 'डलबर्गिया सिस्सू के बदलते पारिस्थितिक क्षेत्र के खतरे और क्षितिज: संरक्षण रणनीतियों की योजना बनाने और जलवायु परिवर्तन के उभरते खतरों के लिए एक स्थानिक दृष्टिकोण'।

- महुआ वृक्ष सुधार।

- लौह खदान का पारिस्थितिक पुनस्थापना।

**संरक्षक:**

श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून

**संपादक मंडल:**

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

**हिन्दी संस्करण:**

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य

**सहायक:**

श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

**प्रत्याख्यान**

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यत: प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।